तेलंगाना

तेलंगाना राज्य में 'स्वामी चिदानन्द के जन्म शताब्दी महोत्सव' के कार्यक्रमों के मंगलाचरण के रूप में, डी एल एस करीमनगर शाखा ने गीता मन्दिर मठ में १४ से २० जून २०१५ तक श्री आचार्य कसिरेड्डी वेंकट रेड्डी जी द्वारा श्रीभद्भागवत सप्ताह तथा श्री रंगनाथ रामायणम् का आयोजन किया। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने १४ जून को कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा अपने प्रेरणाप्रद प्रवचनों द्वारा आशीर्वादित किया। जनवरी २०१६ में करीमनगर में ४२ वें

दक्षिण क्षेत्रीय आध्यात्मिक सम्मेलन करने की योजना बनायी गयी है। श्री स्वामी जी महाराज १७ जून को पुन: करीमनगर गये और सम्मेलन किये जाने वाले स्थान पर प्रार्थना की।

जन्म शताब्दी कार्यक्रमों के एक अंग के रूप में, डी एल एस कागजनगर (श्री शिवानन्द क्षेत्रम्) ने १५ और १६ जून को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने दोनों दिन भक्तों को आशीर्वचन दिये। अन्य विशेष वक्ता श्री कोनेरु कोनप्पा थे, एम एल ए ने भी सभा को सम्बोधित

किया। कार्यक्रम में लगभग ८०० भक्तों ने भाग लिया। श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने शाखा परिसर में निर्मित किये जाने वाले शिव मन्दिर के लिए भूमिपूजन भी किया।

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के पावन अवसर को मनाने के लिए, श्री शिवानन्द सेवा समिति ट्रस्ट, शिवानन्द आश्रम, सिकन्दराबाद, आन्ध्र प्रदेश द्वारा स्वामी चिदानन्द वानप्रस्थ आश्रम, एक ध्यान कक्ष, एक मन्दिर, निर्धन बालकों के लिए विद्यालय तथा गो-रक्षण शाला, भौंगीरपल्ली गाँव, शबद मंडल, रंगा रेड्डी जिला, आन्ध्र प्रदेश में अप्रैल २०१४ से प्रारम्भ किया गया है। स्वामी चिदानन्द वानप्रस्थ आश्रम की छत तथा स्वामी देवानन्द गो-रक्षणशाला के दो शैडों का निर्माण हो चुका है। इस पावन योजना के सफलतापूर्वक सम्पूर्ण होने के आशीर्वाद भगवान् और सद्गुरुदेव से प्राप्त करने की

कामना से श्री लक्ष्मी गणपति यज्ञ एवं विशेष सत्संग का आयोजन अर्ध निर्मित भवन में १४ जून २०१५ को आयोजित किया गया। श्री स्वामी सत्यव्रतानन्द जी (अध्यक्ष, श्री शिवानन्द सेवा समिति ट्रस्ट) ने योजना की विस्तृत जानकारी उपस्थित सभासदों को दी। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज, श्री स्वामी तत्त्वविदानन्द जी महाराज (अध्यक्ष, ब्रह्म कुटीर, हैदराबाद) तथा आचार्य कसिरेड्डी वेंकट रेड्डी जी ने इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए भक्तों को आशीर्वचन दिये और योजना की पूर्ण सफलता हेतु मंगल कामना करते हुए प्रार्थनाएँ समर्पित कीं।